Hindi Murli Quiz 06-10-2013

आप यहाँ से सिर्फ 20 मिनट की 3mb की ऑडियो mp3 मुरली डाउनलोड करके अच्छी तरह सुनके/पढके फिर ही क्विज करें. इससे १००/१०० आना आसान हो जायेगा :-)

धन्यवाद

ओम शांति

Q.1) **ऐसी श्रेष्ठ मुलाकात कौन से बच्चे कर सकते हैं जिसमे रोजाना अमृत वेला पर पहली मुलाकात में बाप उनको "समान भव " का वरदान देता है,जिसमे सब वरदान समाये हुए हैं ?**

A. जो समान बनने के शुभ संकल्प स्वरूप होकर मिलते हैं|

B. जिनका संकल्प भी बाबा और संसार भी बाबा है। वे बच्चे समान स्वरूप से मिलते हैं |

C. जो बहुरूपी होते हैं, कभी किस रूप में मिलेंगे, कभी किस रूप में |

Q.2) **अमृतवेले उठते और आँख खोलते ही, हमें क्या शुभ चिन्तन वा संकल्प करना है, यह भी बाप ने सुना दिया है | जैसा अमृतवेले शक्तिशाली बाप के स्नेह सहित शुभ संकल्प करेंगे, वैसा ही सारे दिन पर प्रभाव पड़ेगा I क्योंकि ----(उत्तर एक से ज्यादा हो सकते हैं, पुरे सही उत्तर के बाद ही फुल मार्क्स मिलेंगे)**

A. अमृतवेला आदि काल है।

B. अमृतवेला बाप द्वारा बच्चों को विशेष वरदानों वा विशेष सहयोग का समय है।

C. अमृतवेला सतोप्रधान समय है ।

Q.3) **इन्हें मिलाएं --**

	Choice	Match
A	तुम ब्राह्मण आदि काल अर्थात् अमृतवेले, जैसा संकल्प रचेंगे,	वैसा ही सारे दिन की दिनचर्या रूपी सृष्टि ऑटोमेटिकली होती रहेगी	
B	जब अमृत वेला बाप को गुडमार्निंग करते हो अपनी पहली मुलाकात में,	तो बाप हर रोज़, 'समान भव' का वरदान देता है	जिसमें सब वरदान समाए हुए हैं	
C	जिसका संकल्प भी बाबा और संसार भी बाबा है		ऐसे बाप के समीप बच्चों की मुलाकात समीप से होती है	
D	फर्स्ट नम्बर बच्चे समान बनकर बाप से मिलते;	सेकेण्ड नम्बर बाप से समान बनने के संकल्प से मिलते हैं	
E	तीसरे नम्बर वालों की लीला, विचित्र होती है		अभी-अभी बच्चा बन मिलेंगे और अभी-अभी मांगने वाले बन जायेंगे	

Explanation :

Q.4) **पाण्डव सदा विजयी हुए क्योंकि --**

A. पाण्डव बहुत शक्तिशाली थे।

B. पाण्डव के पास शक्तिशाली हथियार थे ।

C. पाण्डव प्रभु के साथी थे, तो जो बाप के गुण, बाप की शक्तियां थी वह पाण्डव की हो गयीं।

Q.5) **इन्हें मिलाएं --,**

	Choice	Match
A	संपन्न आत्मा सदा सभी के प्रति शुभ चिन्तक रहती है ,	चाहे तमोगुणी सम्पर्क में आवे, लेकिन अपकारी के ऊपर भी उपकार करने वाली होती हैं I
B	संपन्न आत्माएं कभी किसी आत्मा के प्रति घृणा दृष्टि नहीं रखती,	क्योंकि जानती हैं कि अज्ञान के वशीभूत है अर्थात् बेसमझ बच्चा है।
C	ऐसी शुभ चिन्तक सदैव अपने को विश्व परिवर्तक, विश्व कल्याणकारी समझती,	दूसरी आत्माओं के ऊपर रहमदिल होने के कारण सदा शुभ भाव और भावना रखेंगी	
D	जो सेवा करते हैं, उनके प्रति बाप का सदा विशेष स्नेह रहता है,	क्योंकि त्यागमूर्त हैं ना	
E	आप सब बाप के प्यारे तब बनेंगे ,	जब सदा अपने को शरीर के भान से न्यारे समझकर चलेंगे	
F	आत्मा कराने वाली है और कर्मेन्द्रियाँ करने वाली हैं		

		इसी पाठ को पक्का करने से सदा सर्व खज़ाने के मालिकपन का नशा रहेगा।

Explanation :

Q.6) **इन्हें मिलाएं -- ,**

	Choice	Match
A	सदा अपने स्वमान की सीट पर सेट रहना कि,	हम ऊँचे ते ऊँचे बाप के ऊँचे बच्चे वा ब्राह्मण हैं।
B	शुभ चिन्तन का खज़ाना, जो बाप देते हैं, उस खज़ाने का बार-बार सुमिरन करना,	सुमिरन करने से खुशी होगी जो जीवन को शक्तिशाली बना देगी I
C	अमृतवेले का अनुभव घर बैठे लॉटरी है,	अगर अभी इस लॉटरी को नहीं लेंगे तो यह दिन भी याद करेंगे।
D	सदैव याद रखो अब नहीं तो कभी नहीं। आज भी नहीं, लेकिन अभी,	उसको कहा जाता है तीव्र पुरुषार्थी।
E	घर चलने को तैयार होना अर्थात् सब रस्सियाँ टूटी हुई हों।	अगर रस्सियाँ टूटी नहीं होंगी तो घर नहीं जायेंगे और जन्म लेना पड़ेगा।
F	जब तक विश्व को सन्देश नहीं दिया तो विश्व कल्याणकारी नाम नहीं पड़ेगा,	फिर तो इण्डिया के कल्याणकारी हुए I

Explanation :

Q.7) **सही वाक्य पर टिक करें –**

A. सदा शुभ चिन्तन में रहने का साधन है – आदि काल का समर्थ संकल्प।

B. बाप भी सर्व का प्यारा क्यों है? क्योंकि न्यारा है।

C. नबर का आधार है – न्यारे बनने पर।

D. जो शुभ चिन्तक होंगे वह यह नहीं सोचेंगे कि इसने ऐसा क्यों किया, लेकिन इस आत्मा का कल्याण कैसे हो।

E. अगर व्यर्थ संकल्प चलेंगे, तो शुभ चिन्तन की स्टेज ठहर नहीं सकेगी।

F. अगर शुभ चिन्तन नहीं, तो शुभ चिन्तक भी नहीं। दोनों का सम्बन्ध है।

Q.8) **यह आबू विश्व के लिए लाइट हाउस है। इस महातीर्थ की प्रत्यक्षता करने के लिए सर्व ब्राह्मण बच्चों का कौन सा एक ही संकल्प होना चाहिए ?**

A. हम विश्व कल्याणकारी आत्माएं हैं I

B. कि हर आत्मा को यहाँ से ठिकाना मिले। सबका कल्याण हो।

C. हम पूर्वज आत्माएं हैं, मुक्ति दाता हैं I

Q.9) **सम्पन्न स्वरूप की क्या क्या निशानियाँ हैं ?(उत्तर एक से ज्यादा हो सकते हैं, पुरे सही उत्तर के बाद ही फुल मार्क्स मिलेंगे)**

A. सम्पन्न आत्मा, अन्य आत्माओं के प्रति शुभ-चिन्तक रहेगी I

B. सम्पन्न आत्मा, सदैव स्वयं प्रति शुभ चिन्तन में रहेगी I

C. सम्पन्न आत्मा के पास अशुभ चिन्तन, वा व्यर्थ चिन्तन स्वतः ही समाप्त हो जाता है।

Explanation : शुभ चिन्तन अर्थात् समर्थ संकल्प और व्यर्थ, दोनों इकट्ठे नहीं रह सकते। जैसे रात और दिन इकट्ठे नही होते।

Q.10) **बाहर्मुखता की विशेषता को धारण कर लो तो सर्व की दुआयें मिलती रहेंगी।**

A. False

B. True

Explanation : अन्तर्मुखता की विशेषता को धारण कर लो तो सर्व की दुआयें मिलती रहेंगी।